

શ્રી શિરડી સાઈ સહસ્રનામાવલિ

ૐ શ્રી સાઈ અખંડ સચ્ચિદાનન્દાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અખિલ જીવ વાત્સલ્યાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અખિલ વસ્તુ વિસ્તારાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અકબરાજ્ઞાભિ વન્દિતાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અખિલ ચેતનાવિષ્ટાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અખિલ વેદ સંપ્રદાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અખિલાન્દેશ રૂપેટપિ પિણ્ડે પિણ્ડે પ્રતિષ્ઠિતાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અગ્રણ્યે નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અગ્ર્યભૂમ્ને નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અગણિત ગુણાય નમઃ ॥ 10॥

ૐ શ્રી સાઈ અઘૌઘ સન્નિવર્તિને નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અચિન્ત્ય મહિમ્ને નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અચલાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અચ્યુતાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અજાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અજાત શત્રવે નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અજ્ઞાન તિમિરાન્ધ ચક્ષુરન્મીલનક્ષમાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ આજન્મ સ્થિતિનાશાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અણિમાદિ વિભૂષિતાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અત્યુન્નત ધુનિજ્વાલામાજ્ઞયૈવ નિવર્તકાય નમઃ ॥ 20 ॥

ૐ શ્રી સાઈ અત્યુલ્બણ મહાસર્પાદિ ભક્ત સુરક્ષિત્રે નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અતિ તીવ્ર તપસ્તપ્તાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અતિનમ્ર સ્વભાવકાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અન્નદાન સદાનિષ્ઠાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અતિથિ ભુક્ત શેષ ભુજે નમઃ:ૐ શ્રી સાઈ અદૃશ્યલોક સંચારિણે નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અદૃષ્ટ પૂર્વ દર્શિત્રે નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અદ્વૈત વસ્તુ તત્ત્વજ્ઞાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અદ્વૈતાનન્દ વર્ષકાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ અદ્ભુતાનન્દ શક્તયે નમઃ ॥ 30 ॥

ॐ श्री साई अधिष्ठाताय नमः
ॐ श्री साई अधोक्षाय नमः
ॐ श्री साई अधर्म तरुच्छेत्रे नमः
ॐ श्री साई अधियज्ञाय नमः
ॐ श्री साई अधि भूताय नमः
ॐ श्री साई अधिदेवाय नमः
ॐ श्री साई अध्यक्षाय नमः
ॐ श्री साई अनघाय नमः
ॐ श्री साई अनंत नाम्ने नमः
ॐ श्री साई अनंत गुणभूषणाय नमः ॥ 40 ॥

ॐ श्री साई अनंत मूर्तये नमः
ॐ श्री साई अनंताय नमः
ॐ श्री साई अनंतशक्ति संयुताय नमः
ॐ श्री साई अनंताश्चर्य वीर्याय नमः
ॐ श्री साई अनहक अति मानिताय नमः
ॐ श्री साई अनवरत समाधिस्थाय नमः
ॐ श्री साई अनाथ परिरक्षकाय नमः
ॐ श्री साई अनन्य प्रेम संहृष्ट गुरुपादविलीन हृदे नमः
ॐ श्री साई अनाधृताष्ट सिद्धये नमः
ॐ श्री साई अनामय पदप्रदाय नमः ॥ 50 ॥

ॐ श्री साई अनादि मत्परब्रह्मणे नमः
ॐ श्री साई अनाहत दिवाकराय नमः
ॐ श्री साई अनिर्देश्य वपुषे नमः
ॐ श्री साई अनिमेषेक्षित प्रजाय नमः
ॐ श्री साई अनुग्रहार्थ मूर्तये नमः
ॐ श्री साई अनुवर्तित वेङ्कशाय नमः
ॐ श्री साई अनेक दिव्यमूर्तये नमः
ॐ श्री साई अनेकाटटुत दर्शनाय नमः
ॐ श्री साई अनेक जन्मं पापं स्मृतिमात्रेण हारकाय नमः
ॐ श्री साई अनेक जन्म वृत्तान्तं सविस्तारमुदीरयते नमः ॥ 60 ॥

ॐ श्री साई अनेक जन्म संप्राप्त कर्मबन्ध विदारणाय नमः
ॐ श्री साई अनेक जन्म संसिद्ध शक्तिज्ञान स्वःपवते नमः
ॐ श्री साई अंतर्बहिश्च सर्वत्र व्यापताम्बिल चराचराय नमः

ॐ श्री साई अंतर्हृदय आकाशाय नमः
ॐ श्री साई अंतकालेऽपि रक्षकाय नमः
ॐ श्री साई अंतर्यामिणे नमः
ॐ श्री साई अंतरात्मने नमः
ॐ श्री साई अन्नवस्त्रेष्वित प्रदाय नमः
ॐ श्री साई अपराजित शक्तये नमः
ॐ श्री साई अपरिग्रह भूषिताय नमः ॥ 70 ॥

ॐ श्री साई अपवर्ग प्रदात्रे नमः
ॐ श्री साई अपवर्गमयाय नमः
ॐ श्री साई अपान्तरात्मज्ञेऽपि स्रष्टुरिष्ट प्रवर्तकाय नमः
ॐ श्री साई अपावृत कृपागाराय नमः
ॐ श्री साई अपारज्ञान शक्तिमते नमः
ॐ श्री साई अपार्थिव देहस्थाय नमः
ॐ श्री साई अपांपुष्प निबोधकाय नमः
ॐ श्री साई अप्रपन्थाय नमः
ॐ श्री साई अप्रमत्ताय नमः
ॐ श्री साई अप्रमेय गुणाकराय नमः ॥80 ॥

ॐ श्री साई अप्राकृत वपुषे नमः
ॐ श्री साई अप्राकृत पराङ्माय नमः
ॐ श्री साई अप्रार्थितेऽष्टदात्रे नमः
ॐ श्री साई अद्भुत्लादि परागताये नमः
ॐ श्री साई अभयं सर्वभूतेभ्यो ददामिति व्रतिने नमः
ॐ श्री साई अभिमानातिदूराय नमः
ॐ श्री साई अभिषेक यमत्कृतये नमः
ॐ श्री साई अभीष्टवरवर्षिणे नमः
ॐ श्री साई अभीक्ष्ण दिव्यशक्ति भूते नमः
ॐ श्री साई अभेदानन्द सन्धात्रे नमः ॥ 90 ॥

ॐ श्री साई अमर्त्याय नमः
ॐ श्री साई अमृतवाक सूतये नमः
ॐ श्री साई अरविन्द दलाक्षाय नमः
ॐ श्री साई अमित पराङ्माय नमः
ॐ श्री साई अरिषड्वर्ग नाशिने नमः
ॐ श्री साई अरिष्टघनाय नमः

ॐ श्री साई अर्हसत्तमये नमः
ॐ श्री साई अलल्यलाभ सन्धात्रे नमः
ॐ श्री साई अल्पदान सुतोषिताय नमः
ॐ श्री साई अललानामसदावक्रे नमः ॥ 100 ॥

ॐ श्री साई अलंबुद्ध्या स्वलंकृताय नमः
ॐ श्री साई अवतारित सर्वेशाय नमः
ॐ श्री साई अवधीरित वैभवाय नमः
ॐ श्री साई अवलंब्य पदाब्जाय नमः
ॐ श्री साई अवलियेति विशृताय नमः
ॐ श्री साई अवदूताभिलोपाधये नमः
ॐ श्री साई अविशिष्टाय नमः
ॐ श्री साई अवशिष्ट स्वकार्यार्थे-त्यक्तदेहं प्रविष्टवते नमः
ॐ श्री साई अवाकपाणि पादोरवे नमः
ॐ श्री साई अवाङ्गमानस गोचराय नमः ॥ 110 ॥

ॐ श्री साई अवाप्त सर्व कामोत्पि कर्मण्येव प्रतिष्ठिताय नमः
ॐ श्री साई अविच्छिन्नाग्निहोत्राय नमः
ॐ श्री साई अविच्छिन्न सुभप्रदाय नमः
ॐ श्री साई अवेक्षित दिगन्तस्थ प्रजापालन निष्ठिताय नमः
ॐ श्री साई अच्याज करुणासिंधवे नमः
ॐ श्री साई अच्याहतेष्टे देशगाय नमः
ॐ श्री साई अच्याहतोपदेशाय नमः
ॐ श्री साई अच्याहत सुभप्रदाय नमः
ॐ श्री साई अशक्यशक्यकर्त्रे नमः
ॐ श्री साई अशुभाशय शुद्धीकृते नमः ॥ 120 ॥

ॐ श्री साई अशेष भूतहतस्थाणवे नमः
ॐ श्री साई अशोक मोहशृङ्खलाय नमः
ॐ श्री साई अष्टैश्वर्य त्यागिने नमः
ॐ श्री साई अष्टसिद्धि पराङ्मुभाय नमः
ॐ श्री साई असंगयोग युक्तात्मने नमः
ॐ श्री साई असंग दृढ शस्त्रभृते नमः
ॐ श्री साई असंभयेयावतारेषु ऋणानुबन्धि रक्षिताय नमः
ॐ श्री साई अहं ब्रह्म स्थितप्रज्ञाय नमः
ॐ श्री साई अहं भाव विवर्जिताय नमः

ॐ श्री साई अहं त्वं च त्वमेवाहमिति तत्त्व प्रबोधकाय नमः ॥ 130 ॥

ॐ श्री साई अहेतुक कृपासिंधवे नमः
ॐ श्री साई अहिंसा निरताय नमः
ॐ श्री साई अक्षीण सौहृदाय नमः
ॐ श्री साई अक्षयाय नमः
ॐ श्री साई अक्षय सुभप्रदाय नमः
ॐ श्री साई अक्षरादपि कूटस्थादुत्तम पुरुषोत्तमाय नमः
ॐ श्री साई आभुवाहन मूर्तये नमः
ॐ श्री साई आगमाध्यन्त सन्नुताय नमः
ॐ श्री साई आगमातीत सद्भावाय नमः
ॐ श्री साई आचार्य परमाय नमः ॥ 140 ॥

ॐ श्री साई आत्मानुभव संतुष्टाय नमः
ॐ श्री साई आत्म विद्या विशारदाय नमः
ॐ श्री साई आत्मानंद प्रकाशाय नमः
ॐ श्री साई आत्मैव परमात्मदृशे नमः
ॐ श्री साई आत्मैक सर्वभूतात्मने नमः
ॐ श्री साई आत्मारामाय नमः
ॐ श्री साई आत्मवते नमः
ॐ श्री साई आदित्यमध्यवर्तिने नमः
ॐ श्री साई आदिमध्यान्त वर्णिताय नमः
ॐ श्री साई आनंद परमानंदाय नमः ॥ 150 ॥

ॐ श्री साई आनंदप्रदाय नमः
ॐ श्री साई आनाकमादृताज्ञाय नमः
ॐ श्री साई आनतावन निवृत्तये नमः
ॐ श्री साई आपदामपहर्त्रे नमः
ॐ श्री साई आपद्बान्धवाय नमः
ॐ श्री साई आङ्गिकागत वैद्याय परमानन्ददायकाय नमः
ॐ श्री साई आयुरारोग्यदात्रे नमः
ॐ श्री साई आर्त्राण परायणाय नमः
ॐ श्री साई आरोग्यपवादेश्च मायायोग वियोगकृते नमः
ॐ श्री साई आविष्कृत तिरोधत्त बहुरूप विडंबनाय नमः ॥ 160 ॥

ॐ श्री साई आर्द्रचित्तेन भक्तानां सदानुग्रह वर्षकाय नमः

ॐ श्री साई आशापाश विमुक्ताय नमः
ॐ श्री साई आशापाश विमोचकाय नमः
ॐ श्री साई ईश्याधीन जगत्सर्वाय नमः
ॐ श्री साई ईश्यादीन वपुषे नमः
ॐ श्री साई ईश्टेप्सितार्थधात्रे नमः
ॐ श्री साई ईश्यामोह निवर्तकाय नमः
ॐ श्री साई ईश्योत्थङ्गः संछेत्रे नमः
ॐ श्री साई ईन्द्रियाराति दर्पघ्ने नमः
ॐ श्री साई ईन्दिरा रमणल्लादिनाम सहस्रपूत हृदे नमः ॥ 170 ॥

ॐ श्री साई ईन्दीवरदल ज्योतिर्लोचनालंकृताननाय नमः
ॐ श्री साई ईन्दुशीतल भाषिणे नमः
ॐ श्री साई ईन्दुवत्प्रिय दर्शनाय नमः
ॐ श्री साई ईश्टपूर्तशतैर्लब्धाय नमः
ॐ श्री साई ईश्टैवस्वऋषभृते नमः
ॐ श्री साई ईश्टिकादान सुप्रीताय नमः
ॐ श्री साई ईश्टिकालय रक्षित्रे नमः
ॐ श्री साई ईशासक्तमनोबुद्धये नमः
ॐ श्री साई ईशाराधन तत्पराय नमः
ॐ श्री साई ईशिताभिल देवाय नमः ॥ 180 ॥

ॐ श्री साई ईशावास्वार्थ सूचकाय नमः
ॐ श्री साई ईशारणधृते लकत हृदान्त उपदेशकाय नमः
ॐ श्री साई उत्तमोत्तम मार्गिणे नमः
ॐ श्री साई उत्तमोत्तर कर्मकृते नमः
ॐ श्री साई उदासीनवदासीनाय नमः
ॐ श्री साई उदारमित्युदीरकाय नमः
ॐ श्री साई उदवाय मया प्रोक्तं भागवतमिति ब्रुवते नमः
ॐ श्री साई उन्मत्त श्वाभिगोप्त्रे नमः
ॐ श्री साई उन्मत्तवेषनाम धृते नमः
ॐ श्री साई उपद्रवनिवारिणे नमः ॥ 190 ॥

ॐ श्री साई उपांशुजप बोधकाय नमः
ॐ श्री साई उमेशामेश युक्तात्मने नमः
ॐ श्री साई उर्जितभक्ति लक्षणाय नमः

ॐ श्री साईं उर्जितवाकप्रदात्रे नमः
ॐ श्री साईं उर्ध्व रेतसे नमः
ॐ श्री साईं उर्ध्वमूल अधः शाभां अश्वत्थं ભસ્મસાત્કરાયનમઃ
ॐ श्री साईं उर्ध्वगति विधात्रे नमः
ॐ श्री साईं उर्ध्वबद्ध द्विकेतनाय नमः
ॐ श्री साईं ऋजवे नमः
ॐ श्री साईं ऋतंबर प्रज्ञाय नमः ॥ 200 ॥

ॐ श्री साईं ऋणकिलिष्ट धनप्रदाय नमः
ॐ श्री साईं ऋणानुबद्ध ञंतूनां ऋणमुक्त्यै ફલપ્રદાય નમઃ
ॐ श्री साईं ऐकाकिने नमः
ॐ श्री साईं ऐकत्मकतये नमः
ॐ श्री साईं ऐकवाक्काय मानसाय नमः
ॐ श्री साईं ऐकादृश्यां स्वत्मकतानां स्वतनोदृत निष्कृतये નમઃ
ॐ श्री साईं ऐकाक्षर परज्ञानिने नमः
ॐ श्री साईं ऐकात्मा सर्वदेष्टृशे नमः
ॐ श्री साईं ऐकेश्वर प्रतीतये नमः
ॐ श्री साईं ऐकरित्यादृत अभिलाय नमः ॥ 210 ॥

ॐ श्री साईं ऐक्यानन्द गत द्वन्द्वाय नमः
ॐ श्री साईं ऐक्यानन्द विधायकाय नमः
ॐ श्री साईं ऐक्यकृते नमः
ॐ श्री साईं ऐक्यभूतात्मने नमः
ॐ श्री साईं ऐहिका मुष्मिक प्रदाय नमः
ॐ श्री साईं ओंकारादराय नमः
ॐ श्री साईं ओजस्विने नमः
ॐ श्री साईं औषधिकृत ભસ્મદાય નમઃ
ॐ श्री साईं कथा कीर्तना पद्धत्यां नारदानुष्ठितं स्तुवते नमः
ॐ श्री साईं कपर्दे कलेशनाशिने नमः ॥ 220 ॥

ॐ श्री साईं कबीरदास अवतारकाय नमः
ॐ श्री साईं कपर्दे पुत्ररक्षार्थ अनुभूत तदामयाय नमः
ॐ श्री साईं कमलाश्लिष्ट पादाब्जाय नमः
ॐ श्री साईं कमलायत लोचनाया नमः
ॐ श्री साईं कंदर्पद्वर्ष विध्वंसिने नमः
ॐ श्री साईं कमनीय गुणालयाय नमः

ॐ श्री साई कर्ताटकता अन्यथाकर्त्रे नमः
ॐ श्री साई कर्मयुक्तोप्य कर्मकृते नमः
ॐ श्री साई कर्मकृते नमः
कर्म निर्मुक्ताय नमः ॥ 230 ॥

ॐ श्री साई कर्माटकर्म विचक्षणाय नमः
ॐ श्री साई कर्मबीज क्षयं कर्त्रे नमः
ॐ श्री साई कर्म निर्मूलन क्षमाय नमः
ॐ श्री साई कर्मव्याधि व्यपोहिने नमः
ॐ श्री साई कर्मबन्ध विनाशकाय नमः
ॐ श्री साई कलिमलापहारिणे नमः
ॐ श्री साई कलौ प्रत्यक्ष देवताय नमः
ॐ श्री साई कलियुगावताराय नमः
ॐ श्री साई कलयुत्थ भवभञ्जनाय नमः
ॐ श्री साई कल्याणान्त नाम्ने नमः ॥ 240 ॥

ॐ श्री साई कल्याण गुण भूषणाय नमः
ॐ श्री साई कविदासगणु त्रात्रे नमः
ॐ श्री साई कष्टनाशकरौषधाय नमः
ॐ श्री साई काकादीक्षित रक्षायां धुरीणो अहमितीरकाय नमः
ॐ श्री साई कानाम्लिलादपि त्रात्रे नमः
ॐ श्री साई कानने पानदानकृते नमः
ॐ श्री साई कामजिते नमः
ॐ श्री साई कामरूपिणे नमः
ॐ श्री साई कामसंकल्प वर्जिताय नमः
ॐ श्री साई कामितार्थ प्रदात्रे नमः ॥ 250 ॥

ॐ श्री साई कामादि शत्रुनाशनाय नमः
ॐ श्री साई काम्य कर्म सुसन्धस्ताय नमः
ॐ श्री साई कामेराशक्ति नाशकाय नमः
ॐ श्री साई कालाय नमः
ॐ श्री साई कालाय नमः
ॐ श्री साई कालकालाय नमः
ॐ श्री साई कालातीताय नमः
ॐ श्री साई कालकृते नमः
ॐ श्री साई कालदर्प विनाशिने नमः

ॐ श्री साई कालरातर्जन क्षमाय नमः
ॐ श्री साई शुनक दत्तात्रेय भवरं हरेदिति ब्रुवते नमः ॥ 260 ॥

ॐ श्री साई कालाग्नि सदृश क्रोधाय नमः
ॐ श्री साई काशीरामा सुरक्षकाय नमः
ॐ श्री साई कीर्तिव्याप्त दिगन्ताय नमः
ॐ श्री साई कुम्भीवीत कलेभराय नमः
ॐ श्री साई कुंभाराग्नि शिशुत्रात्रे नमः
ॐ श्री साई कुष्ठरोग निवारकाय नमः
ॐ श्री साई कूटस्थाय नमः
ॐ श्री साई कृतज्ञाय नमः
ॐ श्री साई कृत्स्नक्षेत्र प्रकाशकाय नमः
ॐ श्री साई कृत्स्नज्ञाय नमः ॥ 270 ॥

ॐ श्री साई कृपापूर्णाय नमः
ॐ श्री साई कृपया पालितार्त्तकाय नमः
ॐ श्री साई कृष्णराम शिवात्रेय मारुत्यादि स्वःपधृते नमः
ॐ श्री साई केवलात्मानुभूतये नमः
ॐ श्री साई कैवल्यपद दायकाय नमः
ॐ श्री साई कोविदाय नमः
ॐ श्री साई कोमलाङ्गाय नमः
ॐ श्री साई कोपाव्याज शुभप्रदाय नमः
ॐ श्री साई को अहं ऽति दिवानकतं विचारमनुशासकाय नमः
ॐ श्री साई क्लिष्टरक्ष धुरीणाय नमः ॥ 280 ॥

ॐ श्री साई क्रोधजिते नमः
ॐ श्री साई क्लेशनाशनाय नमः
ॐ श्री साई गगन सौक्ष्म्य विस्ताराय नमः
ॐ श्री साई गंभीर मधुर स्वनाय नमः
ॐ श्री साई गंगातीर निवासिने नमः
ॐ श्री साई गंगोत्पत्ति पदांबुजाय नमः
ॐ श्री साई गंगागिरिति भ्यात यति श्रेष्ठेन संस्तुताय नमः
ॐ श्री साई गंध पुष्पाक्षतौ पूज्याय नमः
ॐ श्री साई गतिविदे नमः
ॐ श्री साई गति सूचकाय नमः ॥ 290 ॥

ॐ श्री साई गहरेष्ट पुराणाय नमः
ॐ श्री साई गर्वमात्सर्य वर्जिताय नमः
ॐ श्री साई गाननृत्य विनोदाय नमः
ॐ श्री साई गालवण्डर वरप्रदाय नमः
ॐ श्री साई गिरीश सदृशत्यागिने नमः
ॐ श्री साई गीताचार्याय नमः
ॐ श्री साई गीता अद्भुतार्थ वक्त्रे नमः
ॐ श्री साई गीता रहस्य संप्रदाय नमः
ॐ श्री साई गीता ज्ञानमयाय नमः
ॐ श्री साई गीतापूर्वोपदेशकाय नमः ॥ 300 ॥

ॐ श्री साई गुणातीताय नमः
ॐ श्री साई गुणात्मने नमः
ॐ श्री साई गुणदोष विवर्जिताय नमः
ॐ श्री साई गुणागुणेषुवर्तन्त र्थत्यानासक्ति सुस्थिराय नमः
ॐ श्री साई गुप्ताय नमः
ॐ श्री साई गुहाहिताय नमः
ॐ श्री साई गूढाय नमः
ॐ श्री साई गुप्तसर्व निबोधकाय नमः
ॐ श्री साई गुर्वन्धि तीव्र भक्ति चेत देवालमितिरयते नमः
ॐ श्री साई गुरवे नमः ॥ 310 ॥

ॐ श्री साई गुरुतमाय नमः
ॐ श्री साई गुह्याय नमः
ॐ श्री साई गुरुपाद परायणाय नमः
ॐ श्री साई गुर्विशान्धि सदाध्यात्रे नमः
ॐ श्री साई गुरुसंतोष वर्धनाय नमः
ॐ श्री साई गुरुप्रेम समालम्ब परिपूर्णा स्वइपवते नमः
ॐ श्री साई गुरोपासन संसिद्धाय नमः
ॐ श्री साई गुरुमार्ग प्रवर्तकाय नमः
ॐ श्री साई गुर्वात्म देवताबुद्ध्या ब्रह्मानन्दमयाय नमः
ॐ श्री साई
गुरोः समाधि पार्श्वस्थ निंब छायानिवासकृते नमः ॥ 320 ॥

ॐ श्री साई गुरुवेकूश संप्राप्त वस्त्रेष्ठिका सदा धृताय नमः
ॐ श्री साई गुरुपरंपरादिष्ट सर्वत्याग परायणाय नमः

ॐ श्री साई गुरु परंपराप्राप्त सख्यिदानन्दमूर्तिमते नमः
ॐ श्री साई गृहहीन महाराजाय नमः
ॐ श्री साई गृहमेधि पराश्रयाय नमः
ॐ श्री साई गोपीं सत्राता यथा कृष्णः तथा नाचने कुलावनाय नमः
ॐ श्री साई गोपालगुंडूरायादि पुत्रपौत्रादि वर्धनाय नमः
ॐ श्री साई गोष्पदीकृत कष्टाब्धये नमः
ॐ श्री साई गोदावरी तटागताय नमः
ॐ श्री साई चतुर्भुजाय नमः ॥ 330 ॥

ॐ श्री साई चतुर्बाहु निवारित नृसंकटाय नमः
ॐ श्री साई यमत्कारैः संकलिष्टौर्भक्ति ज्ञान विवर्धनाय नमः
ॐ श्री साई यन्त्रनालेपरुष्टानां दुष्टानां धर्षण क्षमाय नमः
ॐ श्री साई यन्त्रोर्करादि लक्षतानां सदापालन निष्ठिताय नमः
ॐ श्री साई यराचर परिव्याप्ताय नमः
ॐ श्री साई यर्मदाहेष्य विक्रियाय नमः
ॐ श्री साई यान्द्रभायाभ्यपाटेलार्थं यमत्कार सहायकृते नमः
ॐ श्री साई चिंतामग्न परित्राणे तस्य सर्व भारं वहाय नमः
ॐ श्री साई चित्रातिचित्र चारित्राय नमः
ॐ श्री साई चिन्मयानंदाय नमः ॥ 340 ॥

ॐ श्री साई चिरवास कृतैर्बन्धैः शिरडिग्राम पुनर्गतये नमः
ॐ श्री साई चोराधाहत वस्तु निदातान्यवेति हर्षिताय नमः
ॐ श्री साई छिन्न संशयाय नमः
ॐ श्री साई छिन्न संसार बंधनाय नमः
ॐ श्री साई जगत्पित्रे नमः
ॐ श्री साई जगन्मात्रे नमः
ॐ श्री साई जगत्रात्रे नमः
ॐ श्री साई जगद्धिताय नमः
ॐ श्री साई जगत्सृष्टे नमः
ॐ श्री साई जगत्साक्षिणे नमः ॥ 350 ॥

ॐ श्री साई जगद्व्यापिने नमः
ॐ श्री साई जगद्गुरवे नमः
ॐ श्री साई जगत्प्रभवे नमः
ॐ श्री साई जगन्नाथाय नमः
ॐ श्री साई जगदेक दिवाकराय नमः

ॐ श्री साई जगन्मोह चमत्काराय नमः
ॐ श्री साई जगन्नाटक सूत्रधृते नमः
ॐ श्री साई जगन्मङ्गल कर्त्रे नमः
ॐ श्री साई जगन्मायेति बोधकाय नमः
ॐ श्री साई जडोन्मत्त पिशाचोभोप्यन्तः सख्यित्सुख स्थिताय नमः ॥ 360 ॥

ॐ श्री साई जन्मबन्ध विनिर्मुक्ताय नमः
ॐ श्री साई जन्मसाइत्य मंत्रदाय नमः
ॐ श्री साई जन्मजन्मान्तरज्ञाय नमः
ॐ श्री साई जन्मनाशरहस्यविदे नमः
ॐ श्री साई जप्तनामसुसंतुष्ट हरिप्रत्यक्ष भाविताय नमः
ॐ श्री साई जनजल्प मनाधत्य जपसिद्धि महाधृतये नमः
ॐ श्री साई जपप्रेरित लकताय नमः
ॐ श्री साई जप्यनाम्ने नमः
ॐ श्री साई जनेश्वराय नमः
ॐ श्री साई जलहीनस्थले भिन्नलकतार्थ जल सृष्टिकृते नमः ॥ 370 ॥

ॐ श्री साई जवारादीति मौलानासेवने अडिलिष्टमानसाय नमः
ॐ श्री साई जतग्रामान्त गुरोर्वासं तस्मात्पूर्वस्थलं व्रजते नमः
ॐ श्री साई जतिर्लेदोमत्तैर्लेद एति लेदतिरस्कृताय नमः
ॐ श्री साई जतिविधाधनैः य अपि हीनान आर्द्र हृदावनाय नमः
ॐ श्री साई जंभूनद परित्यागिने नमः
ॐ श्री साई जगइकावित प्रजाय नमः
ॐ श्री साई जयापत्य गृहक्षेत्र स्वजन स्वार्थवर्जिताय नमः
ॐ श्री साई जितद्वैतमहामोहाय नमः
ॐ श्री साई जितकोषाय नमः
ॐ श्री साई जितेन्द्रियाय नमः ॥ 380 ॥

ॐ श्री साई जितकन्दर्प दर्पाय नमः
ॐ श्री साई जितात्मने नमः
ॐ श्री साई जितषड्ग्रिपवे नमः
ॐ श्री साई जर्षाहूणालयस्थाने पूर्वजन्म कृतं स्मरते नमः
ॐ श्री साई जर्षाहूणालयंयाध सर्वमर्त्यालयंकराय नमः
ॐ श्री साई जर्षावस्त्रसमंमत्वा देहंत्यत्क्का सुखं स्थिताय नमः
ॐ श्री साई जर्षावस्त्रसमंपश्यन् त्यक्त्वा देहं प्रविष्टवते नमः
ॐ श्री साई जवन्मुक्ताय नमः

ॐ श्री साईं ज्ञानांभुक्ति सद्गतिदायकाय नमः
ॐ श्री साईं ज्योतिष्य शास्त्र रहस्यज्ञाय नमः ॥390 ॥

ॐ श्री साईं ज्योतिर्ज्ञानप्रदाय नमः
ॐ श्री साईं ज्योक्य सूर्य दृशापश्यते नमः
ॐ श्री साईं ज्ञानभास्कर मूर्तिमते नमः
ॐ श्री साईं ज्ञान सर्व रहस्याय नमः
ॐ श्री साईं ज्ञानत भ्रष्टपरात्पराय नमः
ॐ श्री साईं ज्ञानभक्ति प्रदाय नमः
ॐ श्री साईं ज्ञानविज्ञान निश्चयाय नमः
ॐ श्री साईं ज्ञानशक्ति समाज्ञाय नमः
ॐ श्री साईं ज्ञानयोग व्यवस्थिताय नमः
ॐ श्री साईं ज्ञानाग्निदग्धकर्मणे नमः ॥ 400 ॥

ॐ श्री साईं ज्ञाननिर्धूत कल्मषाय नमः
ॐ श्री साईं ज्ञानवैराग्य संधात्रे नमः
ॐ श्री साईं ज्ञानसंछिन्न संशयाय नमः
ॐ श्री साईं ज्ञानापास्त महामोहाय नमः
ॐ श्री साईं ज्ञानीत्यात्मेव निश्चयाय नमः
ॐ श्री साईं ज्ञानेश्वरी पठदैव प्रतिबन्ध निवारकाय नमः
ॐ श्री साईं ज्ञानाय नमः
ॐ श्री साईं ज्ञेयाय नमः
ॐ श्री साईं ज्ञानगम्याय नमः
ॐ श्री साईं ज्ञानतसर्व परं मताया नमः ॥ 410 ॥

ॐ श्री साईं ज्योतिषां प्रथम ज्योतिषे नमः
ॐ श्री साईं ज्योतिर्ज्ञान धुतिप्रदाय नमः
ॐ श्री साईं तपस्संदीप्त तेजस्विने नमः
ॐ श्री साईं तप्तकांचन सन्निभाय नमः
ॐ श्री साईं तत्त्वज्ञानार्थ दर्शने नमः
ॐ श्री साईं तत्त्वमस्यादि लक्षिताय नमः
ॐ श्री साईं तत्त्वविदे नमः
ॐ श्री साईं तत्त्वमूर्तये नमः
ॐ श्री साईं तन्द्रालस्यविवर्जिताय नमः
ॐ श्री साईं तत्त्वमालाधराय नमः ॥ 420 ॥

ॐ श्री साई तत्त्वसार विशारदाय नमः
ॐ श्री साई तर्जितान्तक दूताय नमः
ॐ श्री साई तमसः पराय नमः
ॐ श्री साई तात्यागणपति प्रेष्ठाय नमः
ॐ श्री साई तात्यनूल्कगतिप्रदाय नमः
ॐ श्री साई तारक ब्रह्मनाम्ने नमः
ॐ श्री साई तमोरजोविवर्जिताय नमः
ॐ श्री साई तामरसदलाक्षाय नमः
ॐ श्री साई ताराबाय्या सुरक्षाय नमः
ॐ श्री साई तिलकपूजितान्घ्रये नमः ॥ 430 ॥

ॐ श्री साई तिर्यग्जन्तु गतिप्रदाय नमः
ॐ श्री साई तीर्थकृत निवासाय नमः
ॐ श्री साई तीर्थ पादाय नमः
ॐ श्री साई तीव्रभक्ति नृसिंहादि भक्तालीभूर्यनुग्रहाय नमः
ॐ श्री साई तीव्रप्रेमविराग वेंकटेश कृपानिधये नमः
ॐ श्री साई तुल्यप्रियटप्रियाय नमः
ॐ श्री साई तुल्य निंदात्म संस्तुतये नमः
ॐ श्री साई तुल्याधिक विहीनाय नमः
ॐ श्री साई तुष्ट सञ्जन संवृताय नमः
ॐ श्री साई तृप्तात्मने नमः ॥ 440 ॥

ॐ श्री साई तृषाहीनाय नमः
ॐ श्री साई तृष्णीकृत जगद्धसवे नमः
ॐ श्री साई तैलीकृत जलपूर्णादीप संभवलितालयाय नमः
ॐ श्री साई त्रिकालज्ञाय नमः
ॐ श्री साई त्रिमूर्तये नमः
ॐ श्री साई त्रिगुणातीताय नमः
ॐ श्री साई त्रियामा योग निष्ठात्मा दशदिग्भक्त पालकाय नमः
ॐ श्री साई त्रिवर्ग मोक्ष संघात्रे नमः
ॐ श्री साई त्रिपुटिरहित स्थितये नमः
ॐ श्री साई त्रिलोक स्वेच्छ संचारिणे नमः ॥ 450 ॥

ॐ श्री साई त्रैलोक्य तिमिरापहाय नमः
ॐ श्री साई त्यक्तकर्मइलासंगायाय नमः

ॐ श्री साई त्पुक्तभोग सदासुभिने नमः
ॐ श्री साई त्पुक्तदेहात्म भुङ्गये नमः
ॐ श्री साई त्पुक्तसर्वपरिग्रहाय नमः
ॐ श्री साई त्पुक्त्वा मायामयं सर्वं स्वे महिम्ने सदा स्थिताय नमः
ॐ श्री साई दृष्टधृते नमः
ॐ श्री साई दृष्टनार्हाणां दृष्टवृत्तेर्निर्वर्तकाय नमः
ॐ श्री साई दंभदर्पादिदूराय नमः
ॐ श्री साई दक्षिणामूर्तये नमः ॥ 460 ॥

ॐ श्री साई दक्षिणादान कर्तृभ्यो दशधाप्रतिदायकाय नमः
ॐ श्री साई दक्षिणाप्रार्थनाद्वारा शुभकृत्तत्त्व भोधकाय नमः
ॐ श्री साई दयापराय नमः
ॐ श्री साई दयासिंधवे नमः
ॐ श्री साई दत्तात्रेयाय नमः
ॐ श्री साई दरिद्रोयं धनीवेति भेदाचार विवर्जिताय नमः
ॐ श्री साई दहराकाशमानवे नमः
ॐ श्री साई दग्धस्तार्भकवनाय नमः
ॐ श्री साई दारिद्र्य दुःख भीतिघनाय नमः
ॐ श्री साई दामोदर वरप्रदाय नमः ॥ 470 ॥

ॐ श्री साई दानशौंडाय नमः
ॐ श्री साई दान्ताय नमः
ॐ श्री साई दानेः चान्यान वशं नयते नमः
ॐ श्री साई दानमार्गसुभलत्पाद नाना चंदोर्करावनाय नमः
ॐ श्री साई दिव्यज्ञानप्रदाय नमः
ॐ श्री साई दिव्यमङ्गलविग्रहाय नमः
ॐ श्री साई दीन दयापरायनमः
ॐ श्री साई दीर्घदृशे नमः
ॐ श्री साई दीनवत्सलाय नमः
ॐ श्री साई दृष्टानां दमने शक्ताय नमः ॥480 ॥

ॐ श्री साई दुराधर्ष तपोबलाय नमः
ॐ श्री साई दुर्भिक्षोप्यन्नदात्रे नमः
ॐ श्री साई दुरादृष्ट विनाशकृते नमः
ॐ श्री साई दुःख-शोक-भय-द्वेष-मोहादि अशुभनाशकाय नमः
ॐ श्री साई दृष्टनिग्रह शिष्टानुग्रहरूप महाप्रताय नमः

ॐ श्री साईं दृष्टमूर्ध्जडादि नाम प्रकाश स्वऱुपवते नमः
ॐ श्री साईं दृष्टवन्तु परित्रात्रे नमः
ॐ श्री साईं दूरवर्ति समस्तदृशे नमः
ॐ श्री साईं दृश्यं नश्यं न विश्वास्यमिति बुद्धि प्रबोधकाय नमः
ॐ श्री साईं दृश्यं सर्वं हि चैतन्यमित्यानन्द प्रतिष्ठिताय नमः ॥ 490 ॥

ॐ श्री साईं देहे विगलिताशाय नमः
ॐ श्री साईं देहयात्रार्थं अन्नभुञ्जे नमः
ॐ श्री साईं देहोगेहः ततो मान्तु निन्ये गुरुरितीरकाय नमः
ॐ श्री साईं देहात्म बुद्धिहीनाय नमः
ॐ श्री साईं देहमोह प्रभंजनाय नमः
ॐ श्री साईं देहो देवालय तस्मिन् देवं पश्येत ऀति उदीरयते नमः
ॐ श्री साईं दैवी संपत्प्रपूर्णाय नमः
ॐ श्री साईं देशोद्धार सहायकृते नमः
ॐ श्री साईं द्रन्द्रमोह विनिर्मुक्ताय नमः
ॐ श्री साईं द्रन्द्रातीत विमत्सराय नमः ॥ 500 ॥

ॐ श्री साईं द्वारकामाधि वासिने नमः
ॐ श्री साईं द्वेष द्रोह विवर्जिताय नमः
ॐ श्री साईं द्वैताद्वैत विशिष्ठदीन कालेस्थाने विबोधकाय नमः
ॐ श्री साईं धनहीनां धनाढ्यं च समदृष्ट्यैव रक्षकाय नमः
ॐ श्री साईं धनदेन समत्यागाय नमः
ॐ श्री साईं धरणीधर सन्निभाय नमः
ॐ श्री साईं धर्मज्ञाय नमः
ॐ श्री साईं धर्मसेतवे नमः
ॐ श्री साईं धर्मस्थापन संभवाय नमः
ॐ श्री साईं धुमाले उपासनी पत्न्यो निर्वाणे सद्गतिप्रदाय नमः ॥ 510 ॥

ॐ श्री साईं धूपभेडा पटेल यान्दभाय नष्टाश्वस्थान सूचकाय नमः
ॐ श्री साईं धूमायान पतत्पाथेवार पत्नी सुरक्षकाय नमः
ॐ श्री साईं ध्यानावस्तिथ चेतसे नमः
ॐ श्री साईं धृत्युत्साह समन्विताय नमः
ॐ श्री साईं नतजनवनाय नमः
ॐ श्री साईं नरलोक मनोरमाय नमः
ॐ श्री साईं नष्टदृष्टि प्रदात्रे नमः
ॐ श्री साईं नरलोक विडंभनाय नमः

ॐ श्री साई नागसर्प मयूरे च समा३ढ षडाननाय नमः
ॐ श्री साई नाना चान्दोर्कर आहूया तत्सद्रत्यै कतोद्यमाया नमः ॥ 520॥

ॐ श्री साई नाना निम्होणकरस्यान्ते स्वान्घ्रि ध्यानलयप्रदाय नमः
ॐ श्री साई नाना देशाभिधाकाराय नमः
ॐ श्री साई नानाविधि समार्चिताय नमः
ॐ श्री साई नारायण महाराज संश्लाघित पदांबुजाय नमः
ॐ श्री साई नारायण पराय नमः
ॐ श्री साई नाम वर्जिताय नमः
ॐ श्री साई निगृहितेन्द्रियग्रामाय नमः
ॐ श्री साई निगमागम अगोचराय नमः
ॐ श्री साई नित्यसर्वगत स्थाणवे नमः
ॐ श्री साई नित्य तृप्ताय नमः॥530 ॥

ॐ श्री साई निराश्रयाय नमः
ॐ श्री साई नित्याज्ञदान धर्मिष्ठाय नमः
ॐ श्री साई नित्यानन्द प्रवाहकाय नमः
ॐ श्री साई नित्यमङ्गलधाम्ने नमः
ॐ श्री साई नित्याग्निहोत्र वर्धनाय नमः
ॐ श्री साई नित्यकर्मनियोकत्रे नमः
ॐ श्री साई नित्यसत्त्व स्थिताय नमः
ॐ श्री साई निंबपादप मूलस्थाय नमः
ॐ श्री साई निरन्तराग्निरक्षित्रे नमः
ॐ श्री साई निस्पृहाय नमः॥ 540 ॥

ॐ श्री साई निर्विकल्पाय नमः
ॐ श्री साई निरंकुश गतागतये नमः
ॐ श्री साई निर्जित कामनादोषाय नमः
ॐ श्री साई निराशाय नमः
ॐ श्री साई निरंजनाय नमः
ॐ श्री साई निर्विकल्प समाधिस्थाय नमः
ॐ श्री साई निरपेक्षाय नमः
ॐ श्री साई निर्गुणाय नमः
ॐ श्री साई निर्द्वन्द्वाय नमः
ॐ श्री साई नित्य सत्त्वस्थाय नमः ॥550 ॥

ॐ श्री साई निर्विकाराय नमः
ॐ श्री साई निश्चलाय नमः
ॐ श्री साई निरालंबाय नमः
ॐ श्री साई निराकाराय नमः
ॐ श्री साई निवृत्तगुण दोषकाय नमः
ॐ श्री साई नूत्कर विजयानन्द माहिषां दत्त सद्गतये नमः
ॐ श्री साई नरसिंहगणूदासदत्त प्रथार साधनाय नमः
ॐ श्री साई नैष्ठिक ब्रह्मचर्याय नमः
ॐ श्री साई नैष्ठिक्य परिनिष्ठिताय नमः
ॐ श्री साई पन्डरी पान्दुरंगाभ्याय नमः ॥ 560 ॥

ॐ श्री साई पाटिल तात्याञ्ज मातुलाय नमः
ॐ श्री साई पतित पावनाय नमः
ॐ श्री साई पत्रिग्राम समुद्धवाय नमः
ॐ श्री साई पदविसृष्ट गंगाभ्रसे नमः
ॐ श्री साई पदांबुज नतावनाय नमः
ॐ श्री साई परब्रह्मस्वरूपिणे नमः
ॐ श्री साई परम करुणालयाय नमः
ॐ श्री साई परतत्त्व प्रदीपाय नमः
ॐ श्री साई परमार्थ निवेदकाय नमः
ॐ श्री साई परमानन्द निस्थन्दाय नमः ॥ 570 ॥

ॐ श्री साई परं ज्योतिषे नमः
ॐ श्री साई परात्पराय नमः
ॐ श्री साई परमेष्ठिने नमः
ॐ श्री साई परंधाम्ने नमः
ॐ श्री साई परमेश्वराय नमः
ॐ श्री साई परम सद्गुरवे नमः
ॐ श्री साई परमाचार्याय नमः
ॐ श्री साई परधर्म लयाद्धक्तान स्वे स्वे धर्म नियोजकाय नमः
ॐ श्री साई परार्थैकान्त संभूतये नमः
ॐ श्री साई परमात्मने नमः ॥ 580 ॥

ॐ श्री साई परागतये नमः
ॐ श्री साई पापतापौघ संहारिणे नमः
ॐ श्री साई पामरव्याज पण्डिताय नमः

ॐ श्री साई पापादासं समाकृष्य पुण्यमार्ग प्रवर्तकाय नमः
ॐ श्री साई पिपीलिका सुभाषदाय नमः
ॐ श्री साई पिशाचेश्व व्यवस्थिताय नमः
ॐ श्री साई पुत्रकामेष्ठि यागादे ऋते सन्तानवर्धनाय नमः
ॐ श्री साई पुनराज्जीवित प्रेताय नमः
ॐ श्री साई पुनरावृत्ति नाशकाय नमः
ॐ श्री साई पुनःपुनरिहागम्य भक्तेभ्यः सद्गति प्रदाय नमः॥ 590 ॥

ॐ श्री साई पुण्डरीकायताक्षाय नमः
ॐ श्री साई पुण्यश्रवणकीर्तनाय नमः
ॐ श्री साई पुरन्दरादि भक्ताग्र्य परित्राण धुरन्धराय नमः
ॐ श्री साई पुराण पुरुषाय नमः
ॐ श्री साई पुरीशाय नमः
ॐ श्री साई पुरुषोत्तमाय नमः
ॐ श्री साई पूज पराञ्मुषाय नमः
ॐ श्री साई पूर्णाय नमः
ॐ श्री साई पूर्णवैराग्य शोभिताय नमः
ॐ श्री साई पूर्णानन्द स्वऱ्पिणे नमः ॥ 600 ॥

ॐ श्री साई पूर्ण कृपानिधये नमः
ॐ श्री साई पूर्णचन्द्र समाह्लादिने नमः
ॐ श्री साई पूर्णकामाय नमः
ॐ श्री साई पूर्वजाय नमः
ॐ श्री साई प्रणत पालनोद्युक्ताय नमः
ॐ श्री साई प्रणतार्तिहराय नमः
ॐ श्री साई प्रत्यक्षदेवतामूर्तये नमः
ॐ श्री साई प्रत्यगात्म निदर्शकाय नमः
ॐ श्री साई प्रपन्न पारिजाताय नमः
ॐ श्री साई प्रपन्नानं परागतये नमः ॥ 610 ॥

ॐ श्री साई प्रमाणातीत चिन्मूर्तये नमः
ॐ श्री साई प्रमादाभिध मृत्युञ्जिते नमः
ॐ श्री साई प्रसन्नवदनाय नमः
ॐ श्री साई प्रसादाभि मुभद्युतये नमः
ॐ श्री साई प्रशस्तवाचे नमः
ॐ श्री साई प्रशांतात्मने नमः

ॐ श्री साई प्रियसत्यमुदाहरते नमः
ॐ श्री साई प्रेमदाय नमः
ॐ श्री साई प्रेमवश्याय नमः
ॐ श्री साई प्रेम मार्गैकसाधनाय नमः ॥ 620 ॥

ॐ श्री साई बहुरूप निगूढात्मने नमः
ॐ श्री साई बलदृप्तदमक्षमाय नमः
ॐ श्री साई बलातिदुर्ष भय्यात्रि महागर्व विभन्नाय नमः
ॐ श्री साई बुध संतोषदाय नमः
ॐ श्री साई बुद्धाय नमः
ॐ श्री साई बुध जनावनाय नमः
ॐ श्री साई बृहद्वन्द्व विमोक्षत्रे नमः
ॐ श्री साई बृहद भारवक्षमाय नमः
ॐ श्री साई ब्रह्मकुल समुध्भूताय नमः
ॐ श्री साई ब्रह्मचारि व्रतस्थिताय नमः ॥ 630 ॥

ॐ श्री साई ब्रह्मानन्दामृत मगनाय नमः
ॐ श्री साई ब्रह्मानन्दाय नमः
ॐ श्री साई ब्रह्मानन्दलसद दृष्टये नमः
ॐ श्री साई ब्रह्मवादिने नमः
ॐ श्री साई बृहच्छ्रवसे नमः
ॐ श्री साई ब्राह्मण स्त्री विसृष्टोलकातर्जितश्चा कृतये नमः
ॐ श्री साई ब्राह्मणानां मशीदिस्थाय नमः
ॐ श्री साई ब्रह्मण्याय नमः
ॐ श्री साई ब्रह्मवित्तमाय नमः
ॐ श्री साई भक्त दासगणू प्राणामानवृत्त्यादि रक्षकाय नमः ॥ 640 ॥

ॐ श्री साई भक्त्यात्यन्त हितेषिणे नमः
ॐ श्री साई भक्ताश्रितदयापराय नमः
ॐ श्री साई भक्तार्थेधृत देहाय नमः
ॐ श्री साई भक्तार्थेदग्ध हस्तकाय नमः
ॐ श्री साई भक्तपरागतये नमः
ॐ श्री साई भक्तवत्सलाय नमः
ॐ श्री साई भक्तमानस वासिने नमः
ॐ श्री साई भक्ताति सुलभाय नमः
ॐ श्री साई भक्तभवाब्धि पोताय नमः

ॐ श्री साई भगवते नमः ॥ 650 ॥

ॐ श्री साई भजतां सुहृदे नमः

ॐ श्री साई भक्तसर्वस्व हारिणे नमः

ॐ श्री साई भक्तानुग्रह काराय नमः

ॐ श्री साई भक्त रास्र्यादि सर्वेषां अमोघ अमय संप्रदाय नमः

ॐ श्री साई भक्तावन समर्थाय नमः

ॐ श्री साई भक्तावन धुरन्धराय नमः

ॐ श्री साई भक्तभाव पराधीनाय नमः

ॐ श्री साई भक्त्यात्यन्त हितौषधाय नमः

ॐ श्री साई भक्तावन प्रतिज्ञाय नमः

ॐ श्री साई भजतां ष्टकामदुहे नमः ॥ 660 ॥

ॐ श्री साई भक्त हृत्पद्मवासिने नमः

ॐ श्री साई भक्तिमार्ग प्रदर्शकाय नमः

ॐ श्री साई भक्ताशय विहारिणे नमः

ॐ श्री साई भक्तसर्व मलापहाय नमः

ॐ श्री साई भक्तबोधैक निष्ठाय नमः

ॐ श्री साई भक्तानां सद्गतिप्रदाय नमः

ॐ श्री साई भद्रमार्ग प्रदर्शने नमः

ॐ श्री साई भद्रं भद्रमिति भवते नमः

ॐ श्री साई भद्रश्रवसे नमः

ॐ श्री साई भङ्गुमार्थ साध्वीं हितशासनाय नमः ॥ 670 ॥

ॐ श्री साई भयसंत्रस्त कार्पे अमोघ अमय वरप्रदाय नमः

ॐ श्री साई भयहीनाय नमः

ॐ श्री साई भयत्राते नमः

ॐ श्री साई भयकृते नमः

ॐ श्री साई भयनाशनाय नमः

ॐ श्री साई भववारिधि पोताय नमः

ॐ श्री साई भवलुण्टन डोविदाय नमः

ॐ श्री साई भस्मदानेन निरस्ताधि व्याधि दुःख अशुभ अभिलाय नमः

ॐ श्री साई भस्म सात्कृत भक्तारये नमः

ॐ श्री साई भस्म सात्कृत मन्मथाय नमः ॥ 680 ॥

ॐ श्री साई भस्मपूतमशीदिस्थाय नमः

ॐ श्री साईं ભસ્મ દગ્ધાખિલામયાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભાગોજિ કુષ્ઠરોગદનાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભાષાખિલ સુવેદિતાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભાષ્યકૃતે નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભાવગમ્યાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભાર સર્વ પરિગ્રહાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભાગવત સહાયાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભાવના શૂન્યતઃ સુખિને નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભાગવત પ્રધાનાય નમઃ ॥ 690 ॥

ૐ શ્રી સાઈ ભાગવતોત્તમાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભાટેદ્રેષં સમાકૃષ્ય ભક્તિં તસ્મૈ પ્રદત્તવતે નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભિલ્લારૂપેણ દત્તાંબસે નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભિક્ષાન્નદાન શેષ ભુજે નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભિક્ષા ધર્મ મહારાજાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભિક્ષૌઘ દત્ત ભોજનાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભીમાજી ક્ષય પાપઘ્ને નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભીમ બલાન્વિતાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભીતાનાં ભીતિ નાશિને નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભીષણ ભીષણાય નમઃ ॥ 700 ॥

ૐ શ્રી સાઈ ભીષાચાલિત સૂર્યાગ્નિ મઘવન્મૃત્યુ મારુતાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભુક્તિ મુક્તિ પ્રદાત્રે નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભુજગાદ્રક્ષિત પ્રજાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભુજન્ગરૂપં આવિશ્ય સહસ્રજન પૂજિતાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભુક્ત્વા ભોજન દાતૃણાં દગ્ધ પ્રાગુત્તર અશુભાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભૂટિદ્વારા ગૃહં બદ્ધાકૃત સર્વ મતાલયાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભૂભૃતસ્મ ઉપકારિણે નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભૂમ્ને નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભૂશયાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભૂતશરણ્ય ભૂતાય નમઃ ॥ 710 ॥

ૐ શ્રી સાઈ ભૂતાત્મને નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભૂત ભાવનાય નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભૂત-પ્રેત-પિશાચાદીન ધર્મ માર્ગ નિયોજયતે નમઃ
ૐ શ્રી સાઈ ભૂત્યસ્ય ભૂત્યસેવાકૃતે નમઃ

ॐ श्री साई लृत्य भारवहाय नमः
ॐ श्री साई लेकं दत्त वरं स्मृत्वा सर्पस्यादपि रक्षकाय नमः
ॐ श्री साई भोगैश्वर्यश्च असक्तात्मने नमः
ॐ श्री साई लैषभ्ये भिषज्जं वराय नमः
ॐ श्री साई मर्कडपेण लकतस्य रक्षणे तेन ताडिताय नमः
ॐ श्री साई मंत्रघोष मशीदिस्थाय नमः ॥ 720 ॥

ॐ श्री साई मदाभिमान वर्जिताय नमः
ॐ श्री साई मधुपान लृशासक्तिं दिव्यशक्त्य व्यपोहकाय नमः
ॐ श्री साई मशीध्यां तुलसी पूर्णं अग्निहोत्रं च शासकाय नमः
ॐ श्री साई महावाक्यसुधा मग्नाय नमः
ॐ श्री साई महाभागवताय नमः
ॐ श्री साई महानुभाव तेजस्विने नमः
ॐ श्री साई महायोगेश्वराय नमः
ॐ श्री साई महालय परित्रात्रे नमः
ॐ श्री साई महात्मने नमः
ॐ श्री साई महाबलाय नमः ॥ 730 ॥

ॐ श्री साई माधवराय देशपाण्डे सभ्युः साहाय्यकृते नमः
ॐ श्री साई मान अपमानयोस्तुल्याय नमः
ॐ श्री साई मार्गबन्धवे नमः भारतये नमः
ॐ श्री साई मायामानुष इपेण गूढैश्वर्य परात्पराय नमः
ॐ श्री साई मार्गस्थ देवसत्कारः कार्यर्णत्यनुशासित्रे नमः
ॐ श्री साई मारीत्रस्थ भूटीत्रात्रे नमः
ॐ श्री साई मार्जालोच्छिष्ठ भोजनाय नमः
ॐ श्री साई मिरिकरं सर्पगन्डात दैवाज्ञाप्ताद्धिमोचयते नमः
ॐ श्री साई मितवाये नमः ॥ 740 ॥

ॐ श्री साई मितभुजे नमः
ॐ श्री साई मित्रे शत्रौ सदा समाय नमः
ॐ श्री साई मीनातायी प्रसूत्यर्थं प्रेषितायथं ददते नमः
ॐ श्री साई मुक्त संग आनं वादिने नमः
ॐ श्री साई मुक्त संसृति बन्धनाय नमः
ॐ श्री साई मुहुः देवावतारादि नामोच्चारण निवृत्ताय नमः
ॐ श्री साई मूर्ति पूजानुशास्त्रे नमः
ॐ श्री साई मूर्तिमानपि अमूर्तिमते नमः

ॐ श्री साई मूलेशास्त्री गुरोर्घोलप महाराजस्य इपधृते नमः
ॐ श्री साई मृतसूनुं समाकृष्य पूर्वमातरियोजयते नमः ॥ 750 ॥

ॐ श्री साई मृदालय निवासिने नमः
ॐ श्री साई मृत्युभीति व्यपोहकाय नमः
ॐ श्री साई मेघश्यामाय पूजार्थ शिवलिंगमुपाहरते नमः
ॐ श्री साई मोहकलील तीर्णाय नमः
ॐ श्री साई मोहसंशय नाशकाय नमः
ॐ श्री साई मोहिनीराज पूजायां कुलकर्ण्यप्पा नियोजकाय नमः
ॐ श्री साई मोक्षमार्ग सहायाय नमः
ॐ श्री साई मौनव्याज्य प्रबोधकाय नमः
ॐ श्री साई यज्ञदान तपोनिष्ठाय नमः
ॐ श्री साई यज्ञशिष्ठाक्ष भोजनाय नमः ॥ 760 ॥

ॐ श्री साई यतेन्द्रिय मनोबुद्धये नमः
ॐ श्री साई यतिधर्म सुपालकाय नमः
ॐ श्री साई यतोवाचो निवर्तन्ते तदानन्द सुनिष्ठिताय नमः
ॐ श्री साई यत्नातिशयसेवाप्त गुरुपूर्णा कृपाबलाय नमः
ॐ श्री साई यथेच्छ सूक्ष्मसंचारिणे नमः
ॐ श्री साई यथेष्ट दानधर्मकृते नमः
ॐ श्री साई यन्त्राङ्गं जगत्सर्व मायया भ्रामयत्प्रभवे नमः
ॐ श्री साई यमकिंकर सन्त्रस्त सामन्तस्य सहायकृते नमः
ॐ श्री साई यमदूत परिकिलिष्ट पुरन्दरेटसुरक्षकाय नमः
ॐ श्री साई यमभीति विनाशिने नमः ॥ 770 ॥

ॐ श्री साई यवनालय भूषणाय नमः
ॐ श्री साई यशसापि महाराजय नमः
ॐ श्री साई यशःपूरित भारताय नमः
ॐ श्री साई यक्षरक्षः पिशाचानां सानिध्य देवनाशकाय नमः
ॐ श्री साई युक्त भोजन निद्राय नमः
ॐ श्री साई युगान्तर चरित्रविदे नमः
ॐ श्री साई योगशक्ति जितस्वप्नाय नमः
ॐ श्री साई योगमाया समावृताय नमः
ॐ श्री साई योगवीक्षण सन्दत् परमानन्द मूर्तिमते नमः
ॐ श्री साई योगिभिर्ध्यानगम्याय नमः ॥ 780 ॥

ॐ श्री साई योगक्षेम वहाय नमः
ॐ श्री साई रथस्य रजताशेषु हतेष्वम्लान मानसाय नमः
ॐ श्री साई रसाय नमः
ॐ श्री साई रससारज्ञाय नमः
ॐ श्री साई रसना रसजिते नमः
ॐ श्री साई रसोप्यस्य परं दृष्ट्वा निवर्तित महायशसे नमः
ॐ श्री साई रक्षात्पोषणात् सर्व पितृ मातृ गुरा प्रभवे नमः
ॐ श्री साई रागद्वेष वियुक्तात्मने नमः
ॐ श्री साई राकायन्द्र समाननाय नमः
ॐ श्री साई राजवल्लोचनाय नमः॥ 790 ॥

ॐ श्री साई राजभिः य अम्बिवन्दिताय नमः
ॐ श्री साई रामभक्ति प्रपूर्णाय नमः
ॐ श्री साई रामरूप प्रदर्शकाय नमः
ॐ श्री साई रामसाङ्ग्य लब्धाय नमः
ॐ श्री साई रामसाई ईति विश्रुताय नमः
ॐ श्री साई रामदूतमयाय नमः
ॐ श्री साई राममन्त्रोपदेशकाय नमः
ॐ श्री साई राममूर्त्यादि शंकरे नमः
ॐ श्री साई रासने कुलवर्धनाय नमः
ॐ श्री साई राद्रतुल्य प्रकोपकाय नमः ॥ 800 ॥

ॐ श्री साई राद्रकोप दमक्षमाय नमः
ॐ श्री साई राद्रविष्णुकृत अलेधाय नमः
ॐ श्री साई इपिणि राभ्य मोहजिते नमः
ॐ श्री साई इपेइपे चिदात्मानां पश्यध्वं ईति षोडशकाय नमः
ॐ श्री साई इपात इपान्तरं यतोऽमृत ईति अलय प्रदाय नमः
ॐ श्री साई रेगे शिशोः तथान्धस्य सदा सद्रति दायकाय नमः
ॐ श्री साई रोगदारिद्र्य दुःखादीन लस्मदानेन वारयते नमः
ॐ श्री साई रोदनात् आर्द्रचित्ताय नमः
ॐ श्री साई रोमहर्षात् वाङ्मतेनमः
ॐ श्री साई लघ्वाशिने नमः ॥810 ॥

ॐ श्री साई लघुनिद्राय नमः
ॐ श्री साई लब्ध्वाश्रामाग्नि स्तुताय नमः
ॐ श्री साई लगुडोद्धृत रोहिल्लास्तंभनात् दर्पनाशकाय नमः

ॐ श्री साई ललिताङ्कृत चारित्राय नमः
ॐ श्री साई लक्ष्मीनारायणाय नमः
ॐ श्री साई लीलामानुष कर्मकृते नमः
ॐ श्री साई लेलेशास्त्रि श्रुति प्रीत्या मशीदि वेद घोषणाय नमः
ॐ श्री साई लोकाभिरामाय नमः
ॐ श्री साई लोकेशाय नमः ॥ 820 ॥

ॐ श्री साई लोलुप्त्व विवर्जिताय नमः
ॐ श्री साई लोकेशु विहरंश्चापि सख्येदानन्द संस्थिताय नमः
ॐ श्री साई लोणि वाण्य गणूदासं महा अपायात विमोचकाय नमः
ॐ श्री साई वस्त्रवत वपुर्वीक्ष्य स्वेच्छ त्यक्त कलेभराय नमः
ॐ श्री साई वस्त्रवत देहं उत्सृज्य पुनर्देहं प्रविष्टवते नमः
ॐ श्री साई वन्ध्यादोष विमुक्त्यर्थ तद्वस्त्रे नारिकेलदाय नमः
ॐ श्री साई वासुदेवैक संतुष्टये नमः
ॐ श्री साई वाद द्वेषं अप्रियाय नमः
ॐ श्री साई विद्या विनय संपन्नाय नमः
ॐ श्री साई विधेयात्मने नमः ॥ 830 ॥

ॐ श्री साई वीर्यवते नमः
ॐ श्री साई विविक्त देशसेविने नमः
ॐ श्री साई विश्वभावन भाविताय नमः
ॐ श्री साई विश्व मंगल मांगल्याय नमः
ॐ श्री साई विषयात संहृत षड्विधाय नमः
ॐ श्री साई वीतरागभयक्रोधाय नमः
ॐ श्री साई वृद्धान्ध ईक्षण संप्रदाय नमः
ॐ श्री साई वेदान्तांबुज सूर्याय नमः
ॐ श्री साई वेदिस्थाग्नि विवर्धनाय नमः
ॐ श्री साई वैराग्यपूर्णा चारित्राय नमः ॥ 840 ॥

ॐ श्री साई वैकुण्ठप्रिय कर्मकृते नमः
ॐ श्री साई वैद्यस गतये नमः
ॐ श्री साई व्यामोह प्रशमौषधाय नमः
ॐ श्री साई शत्रुच्छेदैकमंत्राय नामः
ॐ श्री साई शरणागत वत्सलाय नमः
ॐ श्री साई शरणागत भीमाञ्चान्ध भेकाधि रक्षकाय नमः
ॐ श्री साई शरीरस्थ अशरीरस्थाय नमः

ॐ श्री साई शरीरानेक संभृताय नमः
ॐ श्री साई शाश्वत परार्थ सर्वेष्टाय नमः
ॐ श्री साई शरीरकर्म केवलाय नमः॥ 850 ॥

ॐ श्री साई शाश्वत धर्मगोत्रे नमः
ॐ श्री साई शान्ति दान्ति विभूषिताय नमः
ॐ श्री साई शिरस्तंभित गंगांबसे नमः
ॐ श्री साई शान्ताकाराय नमः
ॐ श्री साई शिष्टधर्म अनुप्राप्य मौलाना पादसेविताय नमः
ॐ श्री साई शिवदाय नमः
ॐ श्री साई शिवरूपाय नमः
ॐ श्री साई शिवशक्तियुताय नमः
ॐ श्री साई शिरीयानसुतोद्वाहं यथोक्तं परिपूरयते नमः
ॐ श्री साई शीतोष्ण सुःख दुःखेषु समाय नमः ॥ 860 ॥

ॐ श्री साई शीतल वाक्सुधाय नमः
ॐ श्री साई शिरडी न्यस्त गुरोर्द्वेष्टाय नमः
ॐ श्री साई शिरडीर्त्यक्त कलेबराय नमः
ॐ श्री साई शुक्लांबरधराय नमः
ॐ श्री साई शुद्धसत्त्वगुणस्थिताय नामः
ॐ श्री साई शुद्धज्ञानस्वरूपाय नमः
ॐ श्री साई शुभाटशुभ विवर्जिताय नमः
ॐ श्री साई शुभमार्गोऽतद्विषयोः परमंपदं नृन नेत्रे नमः
ॐ श्री साई शेलु गुरुकुले वासिने नमः
ॐ श्री साई शेषशायिने नमः ॥ 870 ॥

ॐ श्री साई श्रीकण्ठाय नमः
ॐ श्री साई श्रीकराय नमः
ॐ श्री साई श्रीमते नमः
ॐ श्री साई श्रेष्ठाय नमः
ॐ श्री साई श्रेयोविधायकाय नमः
ॐ श्री साई श्रुति स्मृति शिरोरत्न विभूषित पदांबुजाय नमः
ॐ श्री साई श्रेयान स्वधर्म ईत्युक्त्वा स्वस्वधर्म नियोजकाय नमः
ॐ श्री साई सभाराम सशिष्याय नमः
ॐ श्री साई सकलाश्रय कामदुहे नमः
ॐ श्री साई सगुण निर्गुण ब्रह्मणे नमः ॥ 880 ॥

ॐ श्री साई सञ्जन मानस व्योम राजमान सुधाकराय नमः
ॐ श्री साई सत्कर्म निरताय नमः
ॐ श्री साई सत्संतान वरप्रदाय नमः
ॐ श्री साई सत्यव्रताय नमः
ॐ श्री साई सत्याय नमः
ॐ श्री साई सत्सुलभोन्यदुर्लभाय नमः
ॐ श्री साई सत्यवाचे नमः
ॐ श्री साई सत्य संकल्पाय नमः
ॐ श्री साई सत्यधर्म परायणाय नमः
ॐ श्री साई सत्यपराङ्माय नमः ॥890 ॥

ॐ श्री साई सत्यदृष्टे नमः
ॐ श्री साई सनातनाय नमः
ॐ श्री साई सत्यनारायणाय नमः
ॐ श्री साई सत्य तत्त्व प्रबोधकाय नमः
ॐ श्री साई सत्पुरुषाय नमः
ॐ श्री साई सदाचाराय नमः
ॐ श्री साई सदापरहिते रताय नमः
ॐ श्री साई सदाक्षिप्त निजानन्दाय नमः
ॐ श्री साई सदानन्दाय नमः
ॐ श्री साई सद्गुरवे नमः ॥ 900 ॥

ॐ श्री साई सदाजनहितोद्युक्ताय नमः
ॐ श्री साई सदात्मने नमः
ॐ श्री साई सदाशिवाय नमः
ॐ श्री साई सदाद्रष्टिताय नमः
ॐ श्री साई सद्रूपिणे नमः
ॐ श्री साई सदाश्रयाय नमः
ॐ श्री साई सदाजिताय नमः
ॐ श्री साई सन्यास योगयुक्तात्मने नमः
ॐ श्री साई सन्मार्ग स्थापनव्रताय नमः
ॐ श्री साई सजीवं इलमादाय निर्बीवं परिणामकाय नमः ॥ 910 ॥

ॐ श्री साई समदुःख सुख स्वस्थाय नमः
ॐ श्री साई समलोष्टाश्म कान्चनाय नमः

ॐ श्री साई समर्थ सद्गुरु श्रेष्ठाय नमः
ॐ श्री साई समान रहिताय नमः
ॐ श्री साई समाश्रित जनत्राण व्रतपालन तत्पराय नमः
ॐ श्री साई समुद्र समगांभीर्याय नमः
ॐ श्री साई संकल्प रहिताय नमः
ॐ श्री साई संसार तापहार्यन्घ्रये नमः
ॐ श्री साई संसार वर्जिताय नमः
ॐ श्री साई संसारोत्तार नाम्ने नमः ॥ 920 ॥

ॐ श्री साई सरोजदल कोमलाय नमः
ॐ श्री साई सर्पादि भयहारिणे नमः
ॐ श्री साई सर्पशेपेपि अवस्थिताय नमः
ॐ श्री साई सर्वकर्म इलत्यागिने नमः
ॐ श्री साई सर्वत्र समवस्थिताय नमः
ॐ श्री साई सर्वतः पाणि पादाय नमः
ॐ श्री साई सर्वतोक्षि शिरो मुखाय नमः
ॐ श्री साई सर्वतः श्रुतिमन्मूर्तये नमः
ॐ श्री साई सर्वमावृत्य संस्थिताय नमः
ॐ श्री साई सर्वधर्म समत्रात्रे नमः ॥ 930 ॥

ॐ श्री साई सर्वधर्म सुपूजिताय नमः
ॐ श्री साई सर्वधर्मान् परित्यज्य गुर्वीशं शरणां गताय नमः
ॐ श्री साई सर्वधी साक्षिभूताय नमः
ॐ श्री साई सर्वनामानि सूचिताय नमः
ॐ श्री साई भूतान्तरात्मने नमः
ॐ श्री साई सर्वभूताशय स्थिताय नमः
ॐ श्री साई सर्व भूताद्विवासाय नमः
ॐ श्री साई सर्वभूतहिते रताय नमः
ॐ श्री साई सर्वभूतात्म भूतात्मने नमः
ॐ श्री साई सर्वभूत सुहृदे नमः ॥ 940 ॥

ॐ श्री साई सर्वभूत निशोक्तिद्राय नमः
ॐ श्री साई सर्वभूत समादृताय नमः
ॐ श्री साई सर्वज्ञाय नमः
ॐ श्री साई सर्वविदे नमः
ॐ श्री साई सर्वस्मै नमः

ॐ श्री साई सर्वमत सुसम्भताय नमः
ॐ श्री साई सर्वब्रह्ममयं द्रष्टे नमः
ॐ श्री साई सर्वशक्त्युपबृंहिताय नमः
ॐ श्री साई सर्वसंकल्प सन्यासिने नमः
ॐ श्री साई संग विवर्जिताय नमः ॥950 ॥

ॐ श्री साई सर्वलोक शरण्याय नमः
ॐ श्री साई सर्वलोक महेश्वराय नमः
ॐ श्री साई सर्वेशाय नमः
ॐ श्री साई सर्वज्ञिणे नमः
ॐ श्री साई सर्वशत्रु निर्वहणाय नमः
ॐ श्री साई सर्वेश्वरैक मन्त्राय नमः
ॐ श्री साई सर्वेप्सित इलप्रदाय नमः
ॐ श्री साई सर्वोपकारिणे नमः
ॐ श्री साई सर्वोपास्य पदांबुजाय नमः
ॐ श्री साई सहस्र शीर्षमूर्तये नमः ॥ 960 ॥

ॐ श्री साई सहस्राक्षाय नमः
ॐ श्री साई सहस्रपादे नमः
ॐ श्री साई सहस्रनाम विश्वासिने नमः
ॐ श्री साई सहस्रनाम लक्षिताय नमः
ॐ श्री साई साकारोत्पि निराकाराय नमः
ॐ श्री साई साकारार्थासुमानिताय नमः
ॐ श्री साई साधुजन परित्रात्रे नमः
ॐ श्री साई साधु पोषकाय नमः
ॐ श्री साई सालोक्य साष्टि सामीप्य सायुज्य पददायकाय नमः
ॐ श्री साई साई रामाय नमः ॥970 ॥

ॐ श्री साई साईनाथाय नमः
ॐ श्री साई साईशाय नमः
ॐ श्री साई साईसत्तमाय नमः
ॐ श्री साई साक्षात्कृत हरिप्रीत्या सर्वशक्तियुताय नमः
ॐ श्री साई साक्षात्कार प्रदात्रे नमः
ॐ श्री साई साक्षात् मन्मथ मर्दनाय नमः
ॐ श्री साई साईने नामः
ॐ श्री साई साईदेवाय नमः

ॐ श्री साई सिद्धेशाय नमः
ॐ श्री साई सिद्ध संकल्पाय नमः ॥ 980 ॥

ॐ श्री साई सिद्धिदाय नमः
ॐ श्री साई सिद्ध वाङ्मुखाय नमः
ॐ श्री साई सुकृत दुष्कृतातीताय नमः
ॐ श्री साई सुभेषु विगतस्पृहाय नमः
ॐ श्री साई सुभ दुःख समाय नमः
ॐ श्री साई सुधास्यन्दि मुषोभवलाय नमः
ॐ श्री साई स्वेषामात्र षड्देहाय नमः
ॐ श्री साई स्वेषोपात्त तनवे नमः
ॐ श्री साई स्वीकृत भक्तरोगाय नमः
ॐ श्री साई स्वेमहिम्नि प्रतिष्ठिताय नमः ॥ 990 ॥

ॐ श्री साई हरिसाठे तथा नानां कामादेः परिरक्षकाय नमः
हर्षामर्षभयोद्वेगैः निर्मुक्त विमलाशयाय नमः
ॐ श्री साई हिन्दु मुस्लिम समूहांश्च मैत्रीकरण तत्पराय नमः
ॐ श्री साई हूंकारेणैव सुक्षिप्रं स्तब्ध प्रचण्ड मारुताय नमः
ॐ श्री साई हृदयग्रन्थि लेदिने नमः
ॐ श्री साई हृदयग्रन्थि वर्जिताय नमः
ॐ श्री साई क्षान्तानन्त दौर्जन्याय नमः
ॐ श्री साई क्षिति पालादि सेविताय नमः
ॐ श्री साई क्षिप्रप्रसाद दात्रे नमः
ॐ श्री साई क्षेत्रीकृत स्वशिर्षिकाय नमः ॥ 1000 ॥

॥ र्धति श्री शिरडी साई सहस्रनामावलि संपूर्णम् ॥